केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 338 मंगलवार 8 जुलाई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बस्ती में 4076025 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में आगामी 09 जुलाई 2025 को आयोजित होने वाले वृहद पौधरोपण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वन विभाग, शिक्षा, पंचायत राज, सिंचाई एवं जलसंसाधन, कृषि, रेशम, नगर विकास, उद्यान एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि हरियाली ही भविष्य की सुरक्षा है, और इसके लिए पौधरोपण अभियान को सफल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा रोपित पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक लगाए गए पौधे की जियो टैगिंग की जाए और नियमित रूप से उसकी निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बैठक में बताया गया कि जनपद में 09 जुलाई को एक दिवसीय विशेष पौधरोपण अभियान के अंतर्गत लगभग 4076025 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पौधरोपण के लिए विद्यालय परिसर, पंचायत भूमि, नदी व तालाबों के किनारे, सरकारी कार्यालय परिसर, आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित सार्वजनिक स्थलों को चिह्नित किया गया है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, डीएफओ डा. शिरीन, सीएमओ डा. राजीव निगम, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, एसडीएम रश्मि यादव, मनोज प्रकाश, डीपीआरओ धनश्याम सागर, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, डीएचओ अरूण त्रिपाठी, बीएसए अनूप तिवारी, समस्त बीडीओ सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सांप काटने से बच्ची की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । परसरामपुर थाना क्षेत्र के अमौली बाजार में रविवार की रात जहरीले साँप के काटने से 2 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। अमौली बाजार निवासी हरिश्चंद्र की बेटी अंशिका रात करीब साढ़े बारह बजे अपनी मां के साथ बेड पर सो रही थी। इसी दौरान एक जहरीला साँप बेड पर आया और अंशिका के हाथ में काट लिया। बच्ची की चीख सुनकर मां की नींद खुली। उन्होंने साँप को भागते हुए देखा। परिवार वाले तुरंत अंशिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसरामपुर ले गए। चिकित्सकों ने इलाज शुरू किया। लेकिन शरीर में जहर ज्यादा फैल चुका था। इलाज के दौरान ही अंशिका की मौत हो गई।

श्रमिक ने फंदा लगाकर जान दिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुंडेरवा थाना क्षेत्र के एकमा गांव के रहने वाले 36 वर्षीय पवन कुमार गौड़ ने रविवार रात को अपने घर में छत की कुंडी में रस्सी से फंदा लगाकर जान दे दी। पवन अपने घर में अकेले रहते थे। तीन साल पहले उनकी पत्नी बच्चों को लेकर चली गई थी। बच्चे अब अपने नानिहाल में रह रहे हैं। पवन अपने भाई से अलग रहकर शटरिंग का काम करते थे।

रविवार रात करीब 10 बजे खाना खाने के बाद पवन सोने चले गए। सुबह देर तक नहीं उठने पर परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर उनके भाई की बेटी काजल ने डायल 112 पर सूचना दी। पीआरबी के जवान मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो पवन का शव रस्सी के सहारे लटका मिला।थानाध्यक्ष मुंडेरवा अतुल कुमार अंजान ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया। पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के फैसले के खिलाफ सुनवाई 10 को

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट निर्वाचन आयोग के बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को सुनवाई करने के लिए सोमवार को राजी हो गया।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की 'आंशिक कार्य दिवस' पीठ ने कई याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल की अगुवाई में कई वरिष्ठ वकीलों की दलीलों को सुना और याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए राजी हुई। सिब्बल ने पीठ से इन याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग को नोटिस देने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति धूलिया ने कहा, "हम बृहस्पतिवार को इस पर सुनवाई करेंगे।"

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा और तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा समेत कई नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं जिसमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का निर्देश देने वाले निर्वाचन आयोग के आदेश को चुनौती दी गई है।

झा ने कहा कि निर्वाचन आयोग का 24 जून का आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार), अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार), अनुच्छेद 325 (जाति, धर्म और लिंग के आधार पर किसी को भी मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता) और अनुच्छेद 326 (18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका प्रत्येक भारतीय नागरिक मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के योग्य है) का उल्लंघन करता है, इसलिए इसे रद्द किया जाना चाहिए।

इससे मिलती–जुलती एक याचिका गैर–लाभकारी संगठन 'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' ने भी दायर की है, जिसमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के निर्देश को चुनौती दी गई है। पीयूसीएल जैसे कई अन्य नागरिक समाज संगठनों और योगेंद्र यादव जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी आयोग के आदेश के खिलाफ शीर्ष न्यायालय का रुख किया है।

निर्वाचन आयोग ने 24 जून को बिहार में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण करने के निर्देश जारी किए थे, जिसका उद्देश्य अयोग्य नामों को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि केवल पात्र नागरिक ही मतदाता सूची में शामिल हों। बिहार में पिछली बार ऐसा विशेष पुनरीक्षण 2003 में किया गया था।

बिहार में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या,

पूर्णिया (आभा)। बिहार के पूर्णिया में अंधविश्वास के फेर में एक ही परिवार के तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया। पूर्णिया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रानीपतरा टेटगामा गांव में एक महादलित परिवार के साथ दिल दहला देने वाली घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया है। मृतकों में तीन महिला में 70 वर्षीय मसोमात कातो, 50 वर्षीय बाबूलाल उरांव एवं उनकी 40 वर्षीय पत्नी सीता देवी, 30 वर्ष मनजीत कुमार व उनकी पत्नी 25 वर्षीय रानी देवी शामिल है। घटना की खबर के बाद गांव के सभी लोग गांव से फरार बताए जा रहे है।

सरकारी स्कूल मर्जर मामले में योगी सरकार को बड़ी राहत, हाई कोर्ट ने खारिज की याचिकाएं

इलाहाबाद (आभा)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को स्कूलों के मर्जर (विलय) मामले में बड़ा कानूनी सहारा मिला है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने सोमवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए स्कूल मर्जर के खिलाफ दाखिल दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया। इस फैसले को सरकार के पक्ष में बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि स्कूलों के विलय का निर्णय राज्य सरकार की नीतिगत योजना का हिस्सा है और अदालत इस तरह के फैसलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी। कोर्ट ने यह फैसला सीतापुर के कुछ विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों समेत अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनाया है।

याचिकाओं में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कम छात्र संख्या वाले प्राइमरी स्कूलों को उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में मर्ज करने की बात कही गई थी। याचियों ने इसे शिक्षा के अधिकार कानून (त्ज्म्) का उल्लंघन बताते हुए आदेश को रद्द करने की मांग की थी।

हालांकि, राज्य सरकार ने अदालत में मजबूत पक्ष रखते हुए कहा कि मर्जर का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना और संसाधनों का प्रभावी उपयोग करना है। सरकार ने यह भी बताया कि राज्य में कई प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जहां एक भी छात्र नहीं है। ऐसे में इन स्कूलों को पास के विद्यालयों में मिलाकर शिक्षकों और सुविधाओं का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि वास्तव में यह मर्जर नहीं, बल्कि स्कूल पेयरिंग की प्रक्रिया है, जिससे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सकेगी। हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद योगी सरकार को न केवल कानूनी समर्थन मिला है, बल्कि स्कूल एकीकरण की उसकी नीति को भी मजबूती मिली है। हालांकि, इस मुद्दे पर विपक्षी दल जैसे सपा, बसपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी लगातार सरकार पर हमलावर रहे हैं। वे इस मर्जर को बच्चों के शिक्षा के अधिकार के खिलाफ बताते रहे हैं, लेकिन अब हाई कोर्ट के फैसले के बाद सरकार को अपनी नीति लागू करने का पूरा रास्ता साफ हो गया है।

सुरक्षित कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटा प्रशासन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आगामी श्रावण माह में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा के सफल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण आयोजन के उद्देश्य से जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में पुलिस लाईन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राजीव निगम, उप जिलाधिकारी रश्मि यादव, मनोज प्रकाश, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार सिंह, ईओ नगर पालिका अंगद गुप्ता, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी संजीव कुमार, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत विजय प्रकाश वर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा श्रद्धा और आस्था का पर्व है, इसे सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने साफ–सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, ट्रैफिक प्लान, साइन बोर्ड, विश्राम स्थल, मोबाइल चिकित्सा इकाई, एंबुलेंस और कंट्रोल रूम की व्यवस्था समय से सुनिश्चित करने को कहा। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि समस्त थानाध्यक्ष कावरिया समिति सदस्यों के साथ बैठक अवश्य कर लें और उनके सुझाव प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

उन्होने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कावड़ यात्रा के दौरान रास्तों में पड़ने वाले गड्ढों की पैचिंग समय से करा दी जाय। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत पोल को चिन्हित करते हुए उस पर सुरक्षा के दृष्टिगत पालीथिन लगायी जाय तथा सड़को पर समुचित प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि शिविर कैम्प लगाया जाय तथा डाक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि शिविर कैम्प पर स्नेक वेनम भी उपलब्ध रहें। एनएचआई के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि राष्ट्रीय राजमार्गो पर पड़ने वाले अवैध कटों को बन्द किया जाय और आवश्यकतानुसार वैरिकेडिंग सुनिश्चित की जाय।

अपर जिलाधिकारी ने नगर निकायों को निर्देश दिया कि शिविर स्थलों, मंदिरों एवं मुख्य यात्रा मार्गों पर विशेष साफ–सफाई की जाए, शौचालय एवं कूड़ेदान की पर्याप्त व्यवस्था हो। विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, और जल निगम को पेयजल टैंकर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मार्गों पर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। उन्होने कावड समितियों से अपील किया कि अपने से संबंधित समस्त सूचनाए व कार्ययोजना संबंधित थाने पर अवश्य दे दें।

बैठक में अधिकारियों को समय से सभी तैयारियाँ पूर्ण करने और कंट्रोल रूम के माध्यम से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील की है। बैठक में जनपद स्तरीय अधिकारी व कावड़ समिति के सदस्य एवं संभ्रांत नागरिकगण उपस्थित रहें।

कांग्रेस पदाधिकारियों को दिलाया शपथ: संगठन के मजबूती का संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह बड़े वन के निकट स्थित एक होटल के सभागार में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद आनन्द प्रकाश गौतम ने पदाधिकारियों को शपथ के साथ संकल्प दिलाया कि वे कांग्रेस को मजबूत करने, पार्टी के सिद्धान्तों, कार्यक्रमों से जन– जन को जोड़ने की दिशा में ऐसा प्रयास करें कि ग्राम पंचायत स्तर पर मजबूत संगठन हो। कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के दिशा निर्देश के अनुरूप ऐसा वातावरण बने जिससे आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस निर्णायक रूप में उभरे।

–ग्राम पंचायत स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत बनायें पदाधिकारी–आनन्द प्रकाश गौतम

पूर्व सांसद आनन्द प्रकाश गौतम ने जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, नर्वदेश्वर शुक्ल कोषाध्यक्ष, संदीप श्रीवास्तव, मो. रफीक, सुरेन्द्र मिश्रा, अलीम अख्तर, इफ्तिखार अहमद, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, डा. दीपेन्द्र सिंह, लाबोनी सिंह, साधूशरन आर्य, राकेश मणि त्रिपाठी, शकुन्तला देवी, शबीहा खातून, रामधीरज चौधरी उपाध्यक्ष, सोमनाथ निषाद 'संत', अतीउल्ला सिद्दीकी, राहुल चौधरी, रविन्द्र सिंह 'राजन', शेर मोहम्मद, अमर बहादुर शुक्ल, अमरदेव सिंह, आलोक त्रिपाठी, राहुल चतुर्वेदी, गुड्डू सोनकर,', लालजीत पहलवान, राना सिंह, रामबचन भारती महासचिव, इसके साथ ही फिरोज खान, प्रताप नारायण मिश्र, राजेश भारती, घनश्याम जोरिया, सर्वेश शुक्ल, प्रेम सागर पाठक, प्रकाश गौतम, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, आनन्द कुमार निषाद, जमील कादरी, संतराम गौतम, शोभित चौधरी, वीरेन्द्र सिंह, कपिलदेव यादव, विनोद रानी आहूजा, सद्दाम हुसेन, मो. अशरफ अली, त्रियुगी नारायण मिश्रा, राम सिंह, सलाहुद्दीन, गणेश दूबे, जय प्रकाश गुप्ता, अब्दुल सलाम खान, राम पूरन चौधरी, विनोद कुमार, फजले आजम, अनूप पाठक, मीरा सिंह, सीमा निषाद, सरोजबाला कन्नौजिया, ताहिरा खातून को सचिव पद की शपथ दिलाया। पदाधिकारियों को प्रमाण–पत्र भी सौपा गया।

पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण अवसर पर मुख्य रूप से जिला कोआर्डिनेटर निर्मला पासवान, देवेन्द्र श्रीवास्तव, अनिरूद्ध त्रिपाठी, जयन्त चौधरी, अनिल भारती, गिरजेश पाल, कर्नल ए.के. सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों को मर्जर किये जाने के विरोध में शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । परिषदीय विद्यालयों को मर्जर किये जाने का आदेश वापस लिये जाने की मांग को लेकर सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आवाहन पर शिक्षकों और पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा। शिक्षक पहले जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एकत्र हुये और यहां से पद यात्रा करते हुये डीएम कार्यालय पहुंचे और एक स्वर से मांग किया कि सरकार विद्यालयों को बंद करने का निर्णय व्यापक हितों को लेकर तत्काल प्रभाव से वापस ले।

–हठवादी रवैया छोड़ गरीबों के बच्चों को शिक्षा से वंचित न करे सरकार– उदयशंकर शुक्ल

ज्ञापन देने के बाद जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि सरकार का हठवादी रवैया ठीक नहीं है। कहां तो सबको शिक्षा के अधिकार, अवसरों से जोड़ना था और स्थिति ये है कि सरकार ही स्कूलों को बंद करने का दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय ले रही है। इससे गरीबों के पाल्य शिक्षा से वंचित हो जायेंगे। कहा कि सरकार अपना निर्णय वापस ले और परिषदीय स्कूलों में प्री–प्राइमरी भी संचालित कराना शुरू करे। कहा कि सबको शिक्षा का अधिकार देने का विधिक प्राविधान है और स्वयं कानूनों का उल्लंघन न करे। यदि विद्यालयों को मर्जर करने का निर्णय वापस न लिया गया तो प्रान्तीय स्तर पर संघर्ष को तेज किया जायेगा। जनपद में चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा।

यह जानकारी देते हुये संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से जिला मंत्री राघवेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, देवेन्द्र वर्मा, चन्द्रभान चौरसिया, शैल शुक्ल, अभिषेक उपाध्याय, रीता शुक्ला, रामपाल चौधरी, सतीश शंकर, राम प्रकाश शुक्ल, विनोद यादव, सन्तोष शुक्ला, राजीव पाण्डेय, त्रिलोकीनाथ, मारूफ खान, ओम प्रकाश पाण्डेय, अकिलेश कुमार, ओम प्रकाश, विजय वर्मा, अरूण कुमार, अभिषेक शुक्ल, सुनील पाण्डेय, आदित्यनाथ तिवारी, रविन्द्रनाथ, नरेन्द्र पाण्डेय, मुक्तिनाथ, राजेश कुमार, योगेश्वर शुक्ल, विवेक गौतम, रमेश विश्वकर्मा, आदित्य तिवारी, शिवम शुक्ल, राजेश पाठक, नवीन कुमार, सरिता पाण्डेय, प्रशान्त प्रियदर्शी, इन्दुबाला, राघवेन्द्र उपाध्याय, रामरेखा, ज्योति सोनी, अफसापरवीन, महमूद आलम अंसारी, नीलम श्रीवास्तव, श्रवण कुमार, विपिन शुक्ल, विजय बहादुर वर्मा, गुरूलाल, कन्हैयालाल भारती, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, विनय कुमार, सचिन शुक्ला, वैभव कन्नौजिया, रचना देवी, विनोद गुप्ता, अमित कुमार वर्मा, आनन्द कुमार शुक्ल, विन्दावती, सुमन श्रीवास्तव, दीपा पाण्डेय, सुनीता कुमारी, अभिषेक यादव, मंजेश राजभर, अंगद पाण्डेय, जय प्रकाश शुक्ल, पूनम पाण्डेय, सुशीला त्रिपाठी, शीला वर्मा, विभा, अनुराधा, अभिनव कुमार, रमेश चौधरी, प्रभाकर शुक्ल, अरूण शुक्ल, चन्द्रिका सिंह, राघवेन्द्र पाण्डेय, चन्द्रशेखर शर्मा, विजय कुमार, प्रेमनाथ, रविन्द्रनाथ, अवनीश तिवारी, गिरजेश चौधरी, गौरव सिंह, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, भरतराम, शशिकान्त धर द्विवेदी, सुशील कुमार उपाध्याय, संध्या त्रिपाठी, ओंकार उपाध्याय, वृजेश कुमार पाण्डेय, रामचन्द्र शुक्ल, प्रणव मिश्र, ओंकारनाथ उपाध्याय, अवध नरायन शुक्ल, अभिनव उपाध्याय, अनिल कुमार सिंह, राजेश्वर शर्मा के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकायें और संघ पदाधिकारी, मेधा प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी के साथ ही अनेक संगठनों के लोग शामिल रहे।

त्रिस्तरीय पंचायत और विधानसभा चुनाव तैयारियों के लिये सकिय हों कार्यकर्ता– महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक रविवार को सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, मतदाता सूची में सुधार और पीडीए कार्यक्रम को निरन्तर जारी रखने पर जोर दिया गया।

–सपा की मासिक बैठक में बूथ स्तर पर मतदाता सूची के निरीक्षण पर जोर

बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बदलती परिस्थितियों में चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिये कार्यशैली और रणनीति में बदलाव करना होगा। कहा कि बूथ स्तर के पदाधिकारी अपने–अपने बूथों के मतदाता सूची की समीक्षा करते रहें और कमी मिलने पर इसमें सुधार करायें। इसके साथ ही लोगों से अपना संवाद बनाये रखें। लोगों की परेशानियां दूर करने में मदद करते हुये पार्टी के नीति, कार्यक्रम से लोगों को जोड़ते हुये उनके हितों के लिये संघर्ष करें।

सपा की मासिक बैठक में पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', पूर्व जिलाध्यक्ष राजाराम यादव, चन्द्रभूषण मिश्र, दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, मो. सलीम, अरविन्द यादव, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, मो. उमर, सुशील यादव, महेश चौधरी, अजय यादव, समीर चौधरी और इन्द्रावती शुक्ला ने संगठन की मजबूती के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिये। कहा कि साप्रदायिक शक्तियों से लड़ने के लिये हमें निरन्तर कठिन परिश्रम करना होगा जिससे आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी निर्णायक जीत हासिल कर सके।

बैठक में मुख्य रूप से जावेद पिण्डारी, गुलाब सोनकर, जमील अहमद, प्रशान्त यादव, दीपक आर्य, जितेन्द्र यादव, राजदेव प्रसाद, रहमान सिद्दीकी, भोला पाण्डेय, विश्वम्भर चौधरी, वैजनाथ शर्मा, राम अशीष वर्मा, अरविन्द सोनकर, राजू गौड़, संजय गौतम, रामसकल मौर्य, संजय सोनकर, राहुल सिंह, मंशाराम कन्नौजिया, पंकज निषाद, राम प्रकाश सुमन, निजामुद्दीन, कक्कू शुक्ला, भोला पाण्डेय, मनीष पाण्डेय, गौरीशंकर, अरूण कुमार मिश्र के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 जुलाई 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

भाषा के नाम पर राजनीति

भाषा के नाम पर लोगों को उकसाना, उन्हें भाषायी अस्मिता के नाम पर संघर्ष में झोंक देना राजनीति करने वालों के लिये नया नहीं है। इससे सहजता से उनका हित सध जाता है और जनता के हिस्से में कुछ नहीं आता। महाराष्ट्र में भाषा के नाम पर राजनीति का जो चालू खेल चल रहा है इस पर विराम तभी लगेगा जब जनता स्वयं आगे आकर ऐसे मंसूबों पर पानी फेर दे। ऐसा लगता है कि राजनीतिक दलों के पास अब रोटी, कपड़ा, मकान, दवाई, पढाई जैसे मुद्दे ही नहीं बचे हैं। यह स्थितियां खतरनाक हैं।

हमारी राजनीति का स्तर कितना नकारात्मक व अवसरवादी हो चला है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध को राजनीति साधने का अस्त्र बना लिया गया। विडंबना यह है कि जिस राज्य से सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने की सामाजिक सांस्कृतिक मुहिम संघ द्वारा चलायी जा रही है, उसी राज्य से राष्ट्र की संपर्क भाषा के खिलाफ भाषायी कट्टरपंथ को हवा दी जा रही है। विसंगति देखिए कि मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बीस साल बाद एक मंच पर एकजुट हुए हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध पर 'भरत मिलाप' हुआ है। कभी हिंदी विरोध के जो सुर तमिलनाडु में सुनायी देते थे, वे अब महाराष्ट्र में भी तेजी से मुखर हो रहे हैं। मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिसमें योगदान देने के लिये उत्तर भारत के राज्यों के तमाम लोगों योगदान देते हैं। जहां बनने वाली हिंदी फिल्में इस राज्य की समृद्धि का आधार रही हैं। उसी राज्य में हिंदी बोलने वालों लोगों से मारपीट तक के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। निश्चय ही ये भारत की संघीय अवधारणा की जड़ों पर प्रहार ही है। निश्चय रूप से इस सोच के मूल में भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ना और मुंबई नगर निगम व राज्य की सत्ता पर काबिज होने की महत्वाकांक्षा ही है। लेकिन यह सोच राष्ट्रीय एकता व भाषायी सद्भाव को पलीता लगाने का ही कुत्सित प्रयास है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आजादी के सात दशक बाद भी देश में जनता को विकास व तार्किक मुद्दों के बजाय संकीर्ण अस्मिता के नाम पर बरगलाया जा रहा है। उन मुद्दों को हवा दी जा रही है जिनके बूते महाराष्ट्र में शिव सेना अस्तित्व में आयी। विडंबना यही है कि ऐसे तत्वों को यदि राजनीतिक मंसूबे पूरा करने में सफलता मिलती है तो इसका नकारात्मक संदेश पूरे देश में जाएगा। बहुत संभव है कि देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संकीर्ण भाषायी विरोध की राजनीति मुखर होने लगे। जो राष्ट्रीय एकता व सद्भाव के लिये एक बड़ी चुनौती होगी। निस्संदेह, भारतीय लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक दल सकारात्मक मुद्दों व विकास की प्राथमिकताओं को अपना एजेंडा बनाएं।

भाषा के नाम पर राजनीति का मतलब है, भाषा को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करना या भाषा के आधार पर लोगों को विभाजित करना। इसमें, भाषा को एक पहचान और वफादारी के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जिसका उपयोग राजनीतिक लाभ उठाने या किसी खास समूह को लक्षित करने के लिए किया जाता है।

दरअसल, सकारात्मक राजनीति में हाशिये पर गए दल ही सफलता के शॉर्टकट के रूप में ऐसे भावनात्मक मुद्दों को हवा देकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। आज पूरी दुनिया विज्ञान की क्रांति व अभिव्यक्ति के तकनीकी विकास से एकजुट हो रही है, वहीं हम भाषीय संकीर्णताओं में उलझकर प्रगति के पहिए को थामने की कोशिशों में लगे हुए हैं। भले ही हमारी मातृभाषा कुछ भी हो, लेकिन पूरे देश में एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता को खारिज नहीं किया जा सकता है। कई राज्यों में त्रिभाषा फार्मूले के रूप में शिक्षा के प्रसार में सात समुंदर पार की अंग्रेजी भाषा के अंगीकार में तो कोई परहेज नहीं है, लेकिन तमाम भारतीय भाषाओं के शब्दों को समेटे देश के स्वतंत्रता आंदोलनकारियों द्वारा स्वीकृत हिंदी का विरोध किया जा रहा है। ये दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

काश! हम मजेदार समय में जी सकें

—ज्योति मल्होत्रा—

> चीन के मंसूबों की पुष्टि ऑपरेशन सिंदूर में भी हुई। उसने पाकिस्तान का साथ दिया। वहीं अमेरिका भी पाकिस्तान के प्रति गर्मजोशी दिखा रहा है। क्वाड ने पहलगाम आतंकी हमले पर बयान में पाकिस्तान का नाम नहीं लिया। 'फायदे मुताबिक लेन—देन' की दुनिया में बने नैरेटिव पर काबू पाने को भारत कूटनीतिक संतुलन के कदम उठा रहा है। मसलन, पाक हॉकी टीम को भारत में खेलने की इजाजत व दलाई लामा मामले में संयम दर्शाना।

एक चीनी कहावत है 'काश! हम मजेदार समय में जी सकें'। तेजी से आगे बढ़ती दुनिया में, बीता सप्ताह हमारे आसपास की दुनिया के कुछ रोचक पहलू सामने लाया। मामला कुछ भी हो, हालात का जायजा लेने में सप्ताहांत हमेशा अच्छा समय होता है। जब कभी चीन और पाकिस्तान के नेता मिलते हैं,तो अपने रिश्तों को लेकर, मंत्र सरीखे जिस वाक्यांश का आह्वान करते हैं रू'दोनों मुल्कों का जुड़ाव पहाड़ों से ऊंचा, समुद्र से गहरा और शहद से मीठा है' — वह तेजी से एक ऐसी हकीकत बनता जा रहा है, जो भारत के सामने मुंह बाए खड़ी है, चाहे हम जिस ओर भी मुंह घुमाएं। भारतीय सेना के उप—सेनाध्यक्ष, जनरल राजीव सिंह द्वारा चीन को लेकर की गई यह वाकपटु टिप्पणी कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसका तरीका 'उधार के चाकू से काम चलाने' वाला रहा,जब उसने भारत को चोट पहुंचाने के लिए हर कदम पर पाकिस्तान की मदद की यह इस बात की पुष्टि है, अगर पुष्टि करना जरूरी है, कि चीन ही भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है।

दो अन्य कारक भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। पहला, कि चीन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी, यानि अमेरिका, वह भी पाकिस्तानियों के प्रति ज्यादा गर्मजोशी दिखा रहा है। दूसरा, अब जबकि दलाई लामा ने गत सप्ताहांत में उम्र के 90 साल पूरे कर लिए हैं, और अपने पुनर्जन्म को लेकर अटकलों को खुद ही यह कहकर विराम लगा दिया है कि उनका अगला जन्म चीन से बाहर होगा, एक आजाद और लोकतांत्रिक देश में, मसलन भारत—हालांकि, अभी साफ नहीं कि इस बदलती स्थिति पर केंद्र सरकार का नजरिया क्या रहेगा। अब लग रहा है कि इस सप्ताह क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की वाशिंगटन में होने जा रही बैठक से ऐन पहले जारी व्यक्तव्य में, पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का नाम बतौर प्रायोजक लेने से परहेज रखा गया ,हालांकि 'सीमा पारीय आतंकवाद' की निंदा की गई है, एक सहमतिपूर्ण जुमला, जो संकेत देता है इससे परे जाकर कुछ नहीं कहा जाएगा— वहीं इसी वक्त पाक वायुसेनाध्यक्ष जहीर अहमद बाबर सिद्धू भी अमेरिकी राजधानी में मेजबानी का लुत्फ ले रहे हैं।

सिद्धू की यात्रा पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के अमेरिका दौरे का अगला सिलसिला है, जब उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ असाधारण मुलाकात का मौका देकर नवाजा गया था। इसी बीच, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता वार्ता अपनी परिणति की ओर है और भारतीय दल घर वापसी कर चुका है। अगर भारत अपना कृषि क्षेत्र खोले बिना अपना काम निकाल पाया, तो यह बड़ी जीत होगी। अमेरिका इसे पाकिस्तान के साथ संबंध बढ़ाने के बदले में एक कदम के रूप में भी देख सकता है।

लेकिन यहीं आकर इन दिनों चीजें बिगड़ने लगती हैं। अमेरिका को मालूम है कि मोदी सरकार के लिए पाकिस्तान का नाम घृणास्पद है, लेकिन फिर भी वह पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व से मिलना जारी रखे है। अमेरिकी शासन के कुछ हिस्से खफा हैं कि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखे है। इसी बीच, रूस विश्व का पहला देश बन गया जिसने तालिबान सरकार को मान्यता दी है, मकसद है एशिया के भीतरी हिस्से में प्रभाव बढ़ाना। वह तालिबान जो पाकिस्तान का पड़ोसी है और अब दोस्त से दुश्मन बन चुका है। क्वाड वक्तव्य में कम—से—कम पहलगाम का जिक्र तो आया, भले पाकिस्तान का नाम सीधे न लिया हो। जबकि,पिछले हफ्ते, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन—नीत शंघाई सहयोग संगठन द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य पर दस्तखत करने से मना कर दिया था, क्योंकि इसमें न तो इस जघन्य कांड के पीछे रहे मुल्क का जिक्र था, न जगह का।

बड़ा सवाल, बल्कि कई सारे सवाल यह हैं कि हिंद—प्रशांत महासागरीय क्षेत्र को लेकर बनाए ताकतवर समूह क्वाड में, जिसमें भारत मुख्य सहयोगी है, वह भी भारत द्वारा कही बातों का पूरा समर्थन क्यों नहीं करता। ये मुल्क, जानते हुए भी कि उनके एक सहयोगी क्वाड मुल्क को पाक—प्रायोजित आतंकी हमले से आघात लगा है, पाकिस्तान का सीधा नाम लेने से क्यों कतरा रहे? इतना ही नहीं, भारत इस नजरिए को बदलने के लिए क्या कर सकता है?

साफ है, मनगढ़ंत कहानियों पर काबू पाने के इरादे से मोदी सरकार ने पाकिस्तानी हॉकी टीम को भारत में होने जा रही दो प्रतियोगिताओं में खेलने की इजाजत दी। यानि एशिया कप और जूनियर वर्ल्ड हॉकी कप (पुरुष) में पाक हॉकी टीम खेलेगी, भले इसका कारण बताया जा रहा कि ये प्रतियोगिताएं द्विपक्षीय मैच न होकर अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी में आती हैं।

ज्यादा रोचक रहा पंजाब भाजपा इकाई को दिलजीत दोसांझ के बचाव में खड़े होते देखना कि किसलिए इस देशभक्त अभिनेता की ट्रोलिंग की जाए दृ और उसकी फिल्म पर लगा प्रतिबंध हटाया जाए दृ केवल इसलिए कि उसमें पाकिस्तानी अभिनेत्री ने काम किया है। कुछ दिन पहले, सरकार ने माहौल का जायजा लेने के लिए, पाकिस्तान की कुछ नामी हस्तियों जैसे शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी और मावरा होकेन के कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स से प्रतिबंध हटाया था दृ लेकिन सोशल मीडिया पर इस कदम की प्रतिक्रिया देख इनको फिर से ब्लॉक करना पड़ा।

रोचक है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता को रेखांकित करती सूचना का कुछ भाग ब्लॉक किए गए इन सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आता रहा— मसलन, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मुख्य सहयोगी राणा सनाउल्लाह का मशहूर पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर (उनका अकाउंट भी भारत ने ब्लॉक किया है) के साथ बातचीत में यह कहना कि पाकिस्तान उस वक्त बुरी तरह दवाब में आ गया था, जब नूर खान हवाई वायुसेना अड्डे पर भारतीय ब्रह्मोस मिसाइलों ने बुरी तरह कहर बरपा दिया था। राणा सनाउल्लाह के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के पास महज तीस—चालीस सेकंड ही यह तय करने के लिए थे कि किया क्या जाए। उन्होंने कहा : यदि हम भी अपनी मिसाइलें छोड़कर प्रत्युत्तर देते तो इससे टकराव में और विस्तार होता। स्पष्टतः, सनाउल्लाह पाकिस्तानी खेमे की पतली हुई हालत को स्वीकार कर गए, जब 10 मई की रात भारतीय वायु सेना ने अपनी कार्रवाई से निर्णायक तौर पर मामला निबटा दिया था। आजकल इस इंटरव्यू के छोटे—छोटे अंश सोशल मीडिया पर चले हुए हैं दृ लेकिन जरा अंदाजा लगाएं कि घुमाकर पेश किए गए इन प्रारूपों की बजाय अगर पूरा इंटरव्यू भारतीयों को देखने को मिलता, तो कितना प्रभाव पड़ता।

बीते सप्ताह का अन्य बड़ा मुद्दा रहा, दलाई लामा के बारे में सवाल। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू, जो खुद भी उस अरुणाचल प्रदेश से हैं जिसके त्वांग में छठे दलाई लामा पैदा हुए थे और जहां से होकर वर्तमान 14वें दलाई लामा ने 1959 में तिब्बत से पलायन करने के बाद भारत में प्रवेश किया था। उनको लेकर पिछले कुछ दिनों से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि तिब्बती बौद्ध पवित्र संस्थानों के मामले में क्या होना चाहिए, इस बारे में और कोई नहीं (अर्थात चीन) बल्कि स्वयं वे ही तय कर सकते हैं। जो भी निर्णय प्रवास में रह रहे तिब्बती लोग अपने लिए तय करेंगे, मोदी सरकार कमोबेश उसके साथ चलना चाहेगी, लेकिन सब पक्षों को बखूबी पता है कि आज की कठोर दुनिया में, जहां हरेक मुल्क अपने हित बचाना चाहता है, इसकी संभावना कम ही है कि भारत सरकार अपने जोखिम पर चीन को नाराज करना चाहेगी।

पुराने वक्त के लोगों को याद होगा कि कैसे लगभग दस साल पहले प्रधानमंत्री मोदी और दलाई लामा के बीच गुप्त बैठक हुई थी, जब प्रधानमंत्री से मिलवाने के लिए तिब्बती धर्मगुरु को काले शीशों वाली और बिना नंबर प्लेट की कार में ले जाया गया था। आज की तारीख में, भारत का मानना है कि आस्था के मामलों में वह कोई रुख नहीं रखना चाहेगी, हालांकि धार्मिक स्वतंत्रता को बरकरार रखेगी। सवाल यह है, इस कूट—संदेश के मायने क्या हैं?—लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदान

-डा. सत्यवान सौरभ-

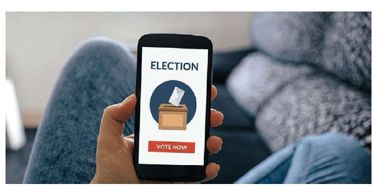

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है— जनभागीदारी। यह भागीदारी जितनी व्यापक होती है, उतना ही लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब आम चुनावों में भी 100 में से केवल 60—65 लोग ही अपने मताधिकार का उपयोग करते हैं, तो सवाल उठता है कि शेष 35—40 प्रतिशत वोटर क्यों चुप रह जाते हैं? क्या यह निष्क्रियता है, उदासीनता है, या व्यवस्था की असुविधा?

इस संदर्भ में ई—वोटिंग (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग, मोबाइल या इंटरनेट के माध्यम से) को भविष्य का समाधान बताया जा रहा है। हाल ही में बिहार में हुए नगर निकाय उपचुनाव में एक ऐतिहासिक प्रयोग हुआ कृ मोबाइल ऐप के जरिए कुछ क्षेत्रों में वोटिंग करवाई गई और उस क्षेत्र में मतदान प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। यह प्रयोग कई मायनों में संकेत देता है कि यदि तकनीक को सही तरीके से अपनाया जाए तो चुनावी भागीदारी क्रांतिकारी रूप से बढ़ सकती है।

कई बार यह माना जाता है कि जो लोग वोट नहीं डालते, वे लोकतंत्र को गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन यह दृष्टिकोण अधूरा है। प्रवासी मजदूर, जो चुनाव के समय अपने घर नहीं लौट पातेय वृद्ध या अस्वस्थ नागरिक, जो लंबी कतारों में खड़े नहीं हो सकतेय और दूरदराज क्षेत्रों के नागरिक, जहाँ मतदान केंद्र तक पहुँचना एक कठिनाईपूर्ण कार्य है दृ इन सभी को यदि घर बैठे सुरक्षित और विश्वसनीय माध्यम से वोट डालने का विकल्प मिले, तो शायद भारत का मतदान प्रतिशत 90: तक पहुँच सकता है।

ई—वोटिंग का सबसे बड़ा लाभ है सुलभता। मोबाइल फोन आज हर हाथ में है। यदि बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, नौकरी आवेदन दृ सब कुछ मोबाइल से हो सकता है, तो मतदान क्यों नहीं? ई—वोटिंग से लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं रहती, दिव्यांगजन और बुजुर्गों के लिए राहत होती है, कामकाजी वर्ग को कार्यालय से छुट्टी लेने की बाध्यता नहीं होती और प्रवासी नागरिक भी मतदान कर सकते हैं। यह तकनीक 'हर मतदाता तक पहुंचने' के लक्ष्य को साकार कर सकती है।

ई—वोटिंग जितनी आकर्षक है, उतनी ही चुनौतियों से घिरी भी है। सबसे पहले साइबर सुरक्षा का प्रश्न आता है दृ क्या वोट सुरक्षित रहेंगे? क्या हैकिंग या डेटा लीक से लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है? दूसरा प्रश्न है प्रामाणिकता दृ मोबाइल पर वोट डालने वाले व्यक्ति की पहचान कैसे सुनिश्चित होगी कि वह वही मतदाता है? तीसरा प्रश्न है गोपनीयता दृ वोट की गोपनीयता कैसे कायम रहेगी जब व्यक्ति अपने घर में बैठकर वोट डाल रहा है? चौथा प्रश्न है टेक्नोलॉजी की पहुंच दृ क्या भारत का हर नागरिक स्मार्टफोन, इंटरनेट और ऐप का उपयोग करने में सक्षम है?

बिहार नगर निकाय चुनाव में ई—वोटिंग को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया गया था। मोबाइल ऐप आधारित वोटिंग से बूथ स्तर पर बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। इससे यह प्रमाणित हुआ कि तकनीक अपनाने से न केवल सुविधा बढ़ती है, बल्कि मतदाता सक्रियता भी। लेकिन इसे पूर्णतः सफल मानना जल्दबाजी होगी। यह प्रयोग सीमित क्षेत्र, चयनित मतदाताओं, और निगरानी में किया गया था। पूरे देश में इस मॉडल को लागू करना वृहद तैयारी, भरोसेमंद तकनीकी आधारभूत ढाँचा और कानूनी वैधता की मांग करेगा।

भारत में आज भी 70 करोड़ से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं, जिनमें से बहुतों के पास स्मार्टफोन या तेज इंटरनेट नहीं है। डिजिटल साक्षरता की कमी, महिलाओं की तकनीकी पहुंच, बुजुर्गों का तकनीक के प्रति झुकाव दृ यह सभी कारक ई—वोटिंग को समावेशी नहीं, बल्कि विभाजनकारी बना सकते हैं, यदि इसे बिना तैयारी के लागू किया जाए।

इसलिए आवश्यक है कि वोटर वेरिफिकेशन सिस्टम तैयार किया जाए, जैसे आधार कार्ड आधारित व्ज्च्, फेस रिकग्निशन, या बायोमेट्रिक लॉगिन। पहले कुछ महानगरों या संस्थानों में स्वैच्छिक रूप से इसे लागू कर प्रभाव का अध्ययन किया जाए। हर चरण पर डेटा एन्क्रिप्शन और ट्रैकिंग सिस्टम का निर्माण हो। ग्रामीण और अशिक्षित वर्ग को तकनीकी मतदान की प्रक्रिया समझाई जाए। यह भी आवश्यक है कि कोई भी वोटर दबाव में या निगरानी में वोट न करे, इसके लिए गोपनीयता कानून स्पष्ट हों।

ई—वोटिंग लोकतंत्र को और भी पारदर्शी बना सकती है, बशर्ते उस पर जनविश्वास हो। यदि सही तकनीक, मजबूत साइबर सुरक्षा, पारदर्शिता, और व्यापक जनशिक्षा को मिलाया जाए, तो ई—वोटिंग न केवल मतदान प्रतिशत बढ़ा सकती है, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त, समावेशी और समयानुकूल बना सकती है। कोई भी प्रणाली तभी सफल होती है जब उस पर जनविश्वास हो।

अंतरिक्ष में अनुसंधान से नई उम्मीदें

—सुरेश सेठ—

सुखद है कि 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय अंतरिक्ष यात्री ने न केवल अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में कदम रखा बल्कि डॉकिंग की नई उपलब्धि के साथ उसने वहां स्थित अंतरिक्ष स्टेशन में भी प्रवेश कर लिया। वे पहले भारतीय थे जिन्होंने न केवल 14 दिन के लिये इस स्टेशन में कदम रख लिया बल्कि दुनिया को भारत की ओर से वसुधैव कुटुम्बकमध् का एक संदेश भी मिला। शुभांशु 140 करोड़ भारतीयों की उम्मीद ही नहीं, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, बल्कि वे एक नई दुनिया और एक नया भारत बनाने के लिए कुछ विशेष शोध अभियान पर भी हैं। बेशक यह सपना निजी निवेशकों की भागीदारी के साथ देखा जा रहा है और उत्सुक साहसी पर्यटक इस सपने के पूरा होने की उम्मीद कर रहे हैं।

अब सोचा जा रहा है कि वैज्ञानिक उपलब्धियों के इस निर्देश के साथ पर्यटन का एक नया क्षेत्र अंतरिक्ष में भी खोल दिया जाए। यह वैश्विक कमाई का एक बड़ा साधन बनेगा और क्योंकि भारत उपग्रहों के प्रक्षेपण में तो सफलता हासिल कर ही चुका है और तीसरी दुनिया के छोटे देशों के लिए संचार उपग्रह प्रक्षेपण कर रहा है। इसलिए अब वह अंतरिक्ष पर्यटन का मार्ग निर्देशक बन सकेगा। इस प्रकार अपने लिए कमाई का एक और उपयोगी मैदान खोल लेगा जहां निवेशकों को इस साहसिक अभियान को शुरू करने की हिम्मत के कारण अधिक प्रतिदान मिल सकेगा।

लेकिन इससे भी अधिक इस अंतरिक्ष स्टेशन में हमारे यात्रियों के प्रवेश के बाद जिन उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है उसमें से मानवता के लिए महामारी बन रही बीमारियों के उपचार के लिए रास्ता खुलने की उम्मीद है। ये बीमारियां हैं मधुमेह और कैंसर। इस शोध का एक लक्ष्य पृथ्वी पर मधुमेह के नियंत्रण में मदद करना है। दूसरी तेजी से फैलती बीमारी है कैंसर। अभी इस कैंसर का उपचार बहुत खर्चीला है।

यह शुभ सूचना है कि शुभांशु शुक्ला और उनके साथीशिन पर रवाना होने के बाद 14 दिनों तक इन बीमारियों के चिकित्सा प्रयोगों का हिस्सा बनेंगे। अंतरिक्ष यात्रियों में से एक अंतरिक्ष में अपने पूरे प्रवास के दौरान निरंतर ग्लूकोज मीटर पहने रहेगा और वास्तविक समय के रक्त शर्करा माप की निगरानी पृथ्वी पर अनुसंधान करके की जाएगी। उड़ान के दौरान इसके नमूने इकट्ठे होंगे और सही उपचार के परीक्षण किए जाएंगे। जो सफल होगा, उसी से अब अंतरिक्ष के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से रोगों का इलाज होगा।

अंतरिक्ष उड़ानों से जोड़ों और रक्त प्रवाह पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच होगी। आसान शब्दों में कहें तो इसका अर्थ यह कि आर्थराइटिस या जोड़ों की बीमारियों का क्या कोई हल अंतरिक्ष का यह शोध हमें दे सकता है? कैंसर का अध्ययन भी यहां विशेष रूप से किया जा सकता है। समझा जाता है कि कैंसर की कोशिकाएं सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में आसानी से पुनर्जीवित हो सकती हैं। अगर ऐसा है तो ये स्टैम कोशिकाएं और इनका पुनर्जीवन आदमी की उम्र बढ़ाने को कैसे प्रभावित कर सकता है, इसका अध्ययन भी होगा। यह अध्ययन स्टैनफोर्ड स्टैम सैल इस्टीट्यूट और जेएम फाउंडेशन की मदद से किए जाएंगे।

निस्संदेह, अगर इस अभियान में इस प्रकार कैंसर निदान की कोई बेहतर दवा या उपचार विकसित करने में सफलता मिल जाती है तो यह मानवता के लिये अच्छी खबर होगी। फिर 14 दिन तक हमारे ये सभी यात्री कम्प्यूटर स्क्रीन का ही निरंतर प्रयोग करेंगे। इससे यह भी पता चल जाएगा कि इसका शारीरिक और हमारी संज्ञा पर क्या प्रभाव पड़ता है। आमतौर पर कहा जाता है कि कम्प्यूटर के निरंतर इस्तेमाल से तेजी से आंखों की हरकतें प्रभावित होती है। इसलिए इस शोध को मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी माना जा रहा है।

अब नहीं कहते कि इन सभी समस्याओं का पूरा—पूरा हल हम इसी यात्रा या शोध अभियान में ले आएंगे लेकिन एक सही शुरुआत तो हो गई। प्रायरू किसी वैज्ञानिक शोध में कदम दर कदम सफलता हासिल की जाती है। इस बार क्योंकि इस शोध अभियान का एक भाग मानवीय चिकित्सा और हमारी दुरूह बीमारयों के इलाज के साथ जुड़ा हुआ है, इसलिए इस अभियान का महत्व और भी बढ़ जाता है। खासकर, हमारे देश के लिये जिसके बारे में कहा जाता है कि असह्य गरीबी और उचित पोषण के अभाव में यहां बीमारियों से लड़ने की शक्ति कम है। इसलिए अंतरिक्ष स्टेशन पर होने वाले इन प्रयोगों से हमें उन बीमारियों के समाधान में मदद मिल जाएगी। इसका मानव जीवन पर कितना उपकार होगा, यह तो स्पष्ट ही है। यह अभियान कई देश मिलकर चला रहे हैं। नासा के अभियान के साथ—साथ हमारा इसरो भी इस नेक अभियान में पूरा योगदान ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के जरिये दे रहा है। इसके बारे में अगर भारतीय गर्वित महसूस कर रहे हैं तो यह तार्किक है।—लेखक साहित्यकार हैं।

विद्यालय प्रबंधक हत्याकांड में शामिल सुपारी किलर से पुलिस की मुठभेड़

संवाददाता–देवरिया। जिले के रुद्रपुर कोतवाली के फतेहपुर में विद्यालय प्रबंधक धनंजय पाल हत्याकांड में शामिल सुपारी के किलर को पुलिस मुठभेड़ में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है। गोली लगने के बाद महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में उसे भर्ती कराया गया है। उधर एसपी विक्रांत वीर, एएसपी अरविंद कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने अस्पताल पहुंच जानकारी ली। फतेहपुर के धनंजय पाल की 27 जून की रात उस समय निर्मम हत्या कर दी गई, जब वह अपने विद्यालय में सो रहे थे। इस घटना का पुलिस ने दो दिन पहले पर्दाफाश कर दिया।

हत्या मृतक के बेटे मृत्युंजय पाल ने संपत्ति विवाद में 50 हजार की सुपारी देकर कराई थी।सुपारी किलर कमरूद्दीन निवासी पटखौली थाना सुरौली को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस उसे घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार बरामदगी के लिए उसके गांव जा रही थी। इस बीच उसने दारोगा का पिस्टल छीन लिया और पुलिस टीम पर ही फायर झोंक दिया। पुलिस टीम ने अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई की। जिसमें उसके पैर में गोली लग गई। इसके बाद उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि सुपारी किलर को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। उपचार के लिए उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। फरार दो अन्य आरोपियों को तलाश की जा रही है। बता दें कि मृतक के बेटे समेत दो आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

खाद्य सुरक्षा निरीक्षकों पर अमानवीय व्यवहार का आरोप

संवाददाता–महराजगंज। संयुक्त व्यापारी मोर्चा ने खाद्य सुरक्षा निरीक्षकों के खिलाफ जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। मोर्चा के जिला संयोजक पशुपति नाथ गुप्ता ने निरीक्षकों पर छोटे और ग्रामीण व्यापारियों के साथ असंवैधानिक व्यवहार का आरोप लगाया है। गुप्ता के अनुसार, महराजगंज एक पिछड़ा जिला है। यहां के अधिकांश छोटे व्यापारी कम पढ़े–लिखे या अनपढ़ हैं। वे पीढ़ियों से परंपरागत व्यापार कर रहे हैं। इन व्यापारियों को खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी नहीं है। व्यापारी मोर्चा ने पहले विभाग को जनजागरूकता अभियान चलाने का सुझाव दिया था। लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मोर्चा की मांग है कि पहले ग्रामीण बाजारों में शिविर लगाकर व्यापारियों को नियमों की जानकारी दी जाए। उसके बाद ही सैंपलिंग शुरू की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि निरीक्षक अपने पद का दुरुपयोग करते हैं। वे गरीब व्यापारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं। खाद्य नमूना लेते समय तीन फॉर्म भरे जाते हैं। इनमें से एक प्रति व्यापारी को मिलनी चाहिए। लेकिन व्यापारियों को कोई दस्तावेज नहीं दिया जाता। गुप्ता का आरोप है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने उनका मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया है। इससे वे व्यापारियों की समस्याएं साझा नहीं कर पा रहे हैं। कॉल करने पर नंबर व्यस्त या काटा हुआ मिलता है। टेक्स्ट मैसेज का भी जवाब नहीं मिलता। संयुक्त व्यापारी मोर्चा ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। साथ ही ग्रामीण व्यापारियों को नियमों की जानकारी देकर सैम्पलिंग प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की है।

पैतृक गांव मनकापुर पहुंचा पूर्व सांसद कुंवर आनंद सिंह का शव, शोक में बाजार बंद, अंतिम दर्शन को लगी भीड़

संवाददाता–गोण्डा। केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता पूर्व सांसद कुंवर आनंद सिंह का रविवार की रात लखनऊ में निधन हो गया। सोमवार को उनका शव पैतृक गांव मनकापुर कोट लाया गया। यहां अंतिम दर्शन को लोगों की भीड़ लगी रही। पूर्व सांसद के निधन पर मनकापुर बाजार, मसकनवा व गोंडा शहर में व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर शोक जाहिर किया। स्कूलों में शोकसभा का आयोजन किया गया। केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री के आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा।

पूर्व सांसद आनंद सिंह का जन्म 4 जनवरी 1939 को हुआ था। गोंडा संसदीय क्षेत्र से 5वीं , 7वीं , 8वीं और 9वीं लोकसभा के लिए संसद सदस्य चुने गए थे। 2012 से 2017 तक मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार में वह कृषि मंत्री भी रहे। इसके बाद से उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया था। उनके पुत्र गोंडा से भाजपा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह वर्तमान में केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री है।

पूर्व मंत्री के करीबी केबी सिंह ने बताया कि राजा आनंद सिंह एक–दो बार नहीं, चार बार सांसद रहे। पूर्वांचल की राजनीति में अपने सियासी दबदबे का लोहा मनवाने वाले मनकापुर के राजा आनंद सिंह को यूपी टाइगर के नाम से जाना जाता था। एक वक्त की बात थी कि कांग्रेस पार्टी उन्हें सादा सिंबल दे देती थी, फिर आनंद सिंह जिसे चाहते नाम भरकर सिंबल दे देते थे। जिसके सिर पर मनकापुर कोट का हाथ होता था, वह सांसद, विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख बन जाता था। वर्ष 2012 में राजा आनंद सिंह ने गौरा विधान सभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीता। प्रदेश की अखिलेश सरकार में कृषि मंत्री रहे। 1971 में आनंद सिंह गोंडा लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए थे। इसके बाद 1980, 1984 और 1989 में भी वह कांग्रेस के टिकट पर गोंडा से सांसद बने। राम लहर में 1991 के आम चुनाव में बृजभूषण ने आनंद सिंह को शिकस्त दी। इसके बाद 1996 में उनकी पत्नी केतकी देवी सिंह ने भी बीजेपी के टिकट पर आनंद सिंह (एसपी उम्मीदवार) को एक बार फिर मात दी। इसके बाद से आनंद सिंह ने संसदीय चुनाव से दूरी बना ली। हालांकि बाद में विधानसभा चुनाव जरुर लड़े थे।

मासूम बेटियों को अगवा कर दुष्कर्म करने वाला साइको आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बहराइच। सुजौली थाना क्षेत्र में पांच मासूम बेटियों का अपहरण कर उनके साथ दुष्कर्म के आरोपी साइको अपराधी को पुलिस और एसओजी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पांच बेटियों के अपहरण के मामले में चार में केस दर्ज हैं। जून के अंतिम सप्ताह से बेटियों के लापता होने और उसके बाद उनके बरामद होने का सिलिसला चला। इससे थानाक्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। पुलिस की समझ में नहीं आ रहा था। पुलिस और एसओजी की टीम ने जाल फैलाया। उसमें अभियुक्त अविनाश पाण्डेय उर्फ सिम्पल पाण्डेय पुत्र अजय प्रकाश पाण्डेय निवाली सुजौली को गिरफ्तार किया। उसने अपने कबूलनामे में सनसनीखेज खुलासे किए हैं।

दरअसल सुजौली इलाके में सोती हुई बच्चियों या घर के बाहर खेल रही मासूम बेटियों को शिकार बनाता था। किडनैप कर उसी दिन छोड़ देता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी यौन कुंठित साइको है। उसे सीताराम नहर पुलिया पर धर दबोचा है। एसपी राम नयन सिंह के मुताबिक दो मोबाइल बरामद हुए हैं। उसमें बेटियों के आपत्तिजनक फोटो मिले हैं। आरोपी के विरुद्ध अपहरण व पाक्सो एक्ट में केस दर्ज थे। उससे गहन पूछताछ कर कोर्ट में पेश किए जाने पर जेल भेज दिया गया है। एसपी रामनयन सिंह ने बताया कि 25 जून को सुजौली इलाके के एक गांव से मासूम के अपहरण की पहली वारदात हुई। दो जुलाई तक ऐसी चार वारदातें हुईं। केस भी दर्ज कराए गए। हर वारदात के बाद उसी दिन शाम को अपहृत बालिका पुलिस की सक्रियता के बाद बरामद भी हो गई। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वाट सहित पांच टीमें गठित की गई थीं। पीड़ित बेटियों से पूछताछ में पता चला कि युवक के छोटे बाल है। हाथ पर टेंटू है। शराब पीता है। अपहृत से हरकत के बाद टाफी खिलाता है। कोल्ड ड्रिंक पिलाता है। एसपी ने बताया कि गठित पांच टीमें लगातार काम करती रहीं। आरोपी अविनाश को बाजपुर बनकटी सीताराम नहर पुलिया के पास धर दबोचा गया। बताया जा रहा है कि अपहृत बेटियों की उम्र आठ से भी कम है। नशे का भी आदी है।

अघोषित बिजली कटौती से बेहाल लोग पूरी नहीं कर पा रहे नींद

संवाददाता–बलरामपुर। लोकल फाल्ट के नाम पर नगर, कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली बिजली कटौती लोगों पर भारी पड़ रही है। उमस भरी गर्मी के बीच अघोषित बिजली कटौती से जिलावासी परेशान हैं। रविवार को मोहर्रम की दसवीं पर यौमे आशूरा का जुलूस निकला जिस पर अपराह्न चार बजे नगर की बिजली काट दी गई।

बिजली आपूर्ति रात डेढ़ बजे बहाल हो सकी। लोग गर्मी से बिलबिला उठे। लगभग तीन सौ गांव अघोषित कटौती का शिकार बन रहे हैं। रात में काटी जाने वाली बिजली लोगों के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है। बिजली विभाग कटौती का प्रमुख कारण अतिरिक्त लोड को बता रहा है। शहर की स्थिति यह है कि हर 20 मिनट में बिजली कट जाती है, जिसे आने में लगभग आधा घंटे का समय लगता है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगे अधिकतर ट्रांसफार्मर अपनी क्षमता के अनुरूप बिजली नहीं दे पा रहे हैं। सोमवार को 24 घंटे में लगभग 15 बार बिजली ट्रिप करती रही। बिजली विभाग अधिक लोड को कटौती का मुख्य कारण बता रहा है। रविवार रात शहर के पूरबटोला, भंडारखाना, खलवा, झंझरा, टेढ़ी बाजार, मेजर चौराहा, गर्ल्स कॉलेज, मानसपुरी आदि मोहल्लों में बिजली की आवाजाही बनी रही। भंडारखाना फीडर पर रात को कई बार बिजली की आवाजाही बनी रही। इसी तरह तराई क्षेत्र में लो वोल्टेज व अघोषित बिजली कटौती के चलते आमजन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। लो वोल्टेज के कारण लोगों के घरों में लगे पंखे के पर तक नहीं डोलते, जिस कारण लोगों का गर्मी से हाल बेहाल हो रहा है। रविवार रात तराई क्षेत्र में बिजली की आवाजाही व लो वोल्टेज ने लोगों की रात की नींद छीन ली। लोग रात भर घर के बाहर व छतों पर रात बिताने को मजबूर दिखे। लो वोल्टेज की समस्या झेल रहे ग्रामीण ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बिजली की आवाजाही व लो वोल्टेज की समस्या से बेहद परेशान हैं। ललिया क्षेत्र केकरीब चार दर्जन गांवों में लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। हर्रैया क्षेत्र के चौधरीडीह फीडर से जुड़े रतनवा, बिनौहनी, रमवापुर, सुल्ताना, मटियरिया, झरियाडीह, बेलासपुर, मणिपुर, टेंगनवार, सोनपुर, महमूदनगर, मरजादनगर, कमदा सहित लगभग छह दर्जन गांवों में रात में बिजली की आवाजाही बनी रहती है। उतरौला तहसील के लोग बिजली की लुकाछिपी से परेशान हैं। बनकटवा, इमलिया बनघुसरा, बढ़या पकड़ी, चीती, बासूपुर आदि उतरौला फीडर से जुड़े गांवों की हालत खराब है। गैसड़ी, महराजगंज तराई, गौरा चौराहा, श्रीदत्तगंज, गैड़ास बुजुर्ग, रेहराबाजार व सादुल्लाहनगर क्षेत्र में रात में बिजली कटौती की जा रही है। बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने को जुटे विभागीय अधिकारी बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बिजली विभाग मिशन मोड में काम कर रहा है। अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मंडल बलरामपुर प्रेमचंद्र ने बताया कि भगवतीगंज से निकलने वाले 11 केवी धर्मपुर फीडर के कुछ क्षेत्रों को 132 केवी विद्युत उपकेन्द्र के 11 केवी डीएम आवास फीडर से जोड़ने तथा 11 केवी संतोषी माता फीडर के कुछ क्षेत्रों को 11 केवी इंडस्ट्रियल फीडर से जोड़कर दोनों ओवरलोड फीडर के अधिभारिता को दूर किया गया है। पूरबटोला में खराब फीडर को बदल दिया गया है। पावर ट्रांस्फार्मर के तापमान को सामान्य बनाए रखने के लिए सभी विद्युत उपकेन्द्रों पर एक्सास्ट फैन लगवाया जा रहा है। वीर विनय व सेखुईया चौराहे पर 100 केवीए क्षमता के अतिरिक्त ट्रान्सफार्मर लगाए गए हैं। क्षेत्रों में लगे सभी क्षमता के ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा हेतु फ्यूज सेट लगाने का कार्य किया जा रहा है। गांव में आठ दिन से नहीं आई बिजली क्षेत्र पंचायत सदस्य पड़री प्रथम रामनरेश उर्फ रमेश ने बिजली विभाग के अधिशासी अभियन्ता को प्रार्थना पत्र देकर गांगनार पड़री में बिजली व्यवस्था सही कराने की मांग की है। दिए गए प्रार्थना पत्र में क्षेत्र पंचायत सदस्य ने कहा है कि गांव में आठ दिन से बिजली आपूर्ति बंद है। ग्रामीण अंधेरे मे रहने को विवश हैं। उनका कहना है कि लाइनमैन से समस्या बताई गई, जिस पर लाइनमैन ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब है। दूसरा ट्रांसफार्मर लगने पर ही बिजली आपूर्ति बहाल हो सकती है। विभाग के अधिकारियों से समस्या को अवगत कराया गया है।

आयरन डे पर बच्चों को किया जागरूक

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा क्षेत्र के पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय जमुनहा में सोमवार को आयरन डे मनाया गया। इस दौरान बच्चों को आयरन की कमी से होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही पोषण आहार की जानकारी दी गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अकबाल अहमद शाह ने बच्चों को आयरन की उपयोगिता और इसके लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भोजन में आयरन की कमी से शरीर में खून की कमी, थकान, कमजोरी और पढ़ाई में मन न लगने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग की ओर से प्रत्येक सोमवार को विद्यालय स्तर पर आयरन गोली वितरण किया जा रहा है। जूनियर स्तर पर 60 मिलीग्राम और प्राथमिक स्तर पर 45 मिलीग्राम की आयरन गोली भोजन के बाद बच्चों को खिलाई जाती है, जिससे शरीर में आवश्यक पोषण तत्वों की पूर्ति हो सके।

वहीं कार्यक्रम के दौरान सहायक शिक्षकों ने भी बच्चों को नियमित रूप से आयरन गोली लेने और संतुलित आहार के महत्व पर जागरूक किया। विद्यालय में इस पहल को लेकर बच्चों और अभिभावकों में उत्साह देखा गया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि आयरन डे के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता फैलाकर छात्रों के समग्र विकास की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

अंग्रेजों भारत छोड़ों आंदोलन में शामिल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीराम पांडेय का निधन

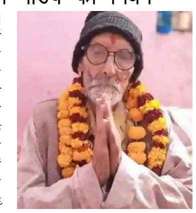

संवाददाता–देवरिया। स्वाधीनता की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देवरिया के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीराम पांडेय का 102 वर्ष की आयु में सोमवार को निधन हो गया। वह अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल रहे। इनके साथ ही इनकी पत्नी प्रभावती पांडेय भी दो वर्ष तक जेल की सलाखों में कैद रहे थे। देवरिया जनपद के सलेमपुर विकास खंड के ग्राम मधवापुर निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीराम पांडेय की तबीयत रविवार को अचानक खराब हो गई। उपचार के लिए उन्हें बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार की सुबह उनका निधन हो गया। निधन की सूचना आने के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

अंग्रेजों भारत छोड़ों आंदोलन में रहे शामिल सेनानी श्रीराम पांडेय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर वर्ष 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हुए थे। बताया जाता है कि सेनानी बांगरबारी गांव के रामदरश राव, सहला के रघुनाथ तिवारी, टैरिया के मुक्तिनाथ तिवारी, पुरैनी परसिया ज्वाला प्रसाद मिश्र, बनकटा के वसुधानंद पांडेय, केहुनिया के चुम्मन दुबे आदि उनके घर में छिपे थे। किसी ने अंग्रेज अफसर लार्ड वेलेंक्टन को छिपे होने की जानकारी दे दी। पुलिस मधवापुर स्थित उनके घर पहुंची तो उनकी पत्नी प्रभावती पांडेय ने घर में किसी के नहीं होने की बात कही। अफसर जबरदस्ती घर में घुस गए। श्रीराम पांडेय समेत सभी आंदोलनकारी पकड़े गए। पुलिस ने प्रभावती को भी गिरफ्तार कर लिया। अगले दिन अंग्रेज जज के सामने नवेली दुल्हन प्रभावती कटघरे में पहुंची। जज ने अपने साथियों का नाम बताने व गलती मान कर माफी मांगने को कहा, लेकिन प्रभावती ने माफी नहीं मांगी।दंपती को दो वर्ष तक सजा मिली थी। वर्ष 1944 में दोनों लोगों को रिहा कर दिया गया। वर्ष 1946 में बिहार के पूर्णिया में भी स्वतंत्रता संग्राम श्रीराम पांडेय गिरफ्तार कर लिए गए थे। 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के दो दिन पूर्व 13 अगस्त 1947 को उन्हें रिहा किया गया था। सूचना के बाद पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के निधन की सूचना के बाद मधवापुर में प्रशासनिक अधिकारियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पुलिस अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी गांव पहुंचे और जानकारी ली।

आईटीआई प्रशिक्षण के बाद शोषण के बन रहे शिकार

संवाददाता–गोण्डा। नौकरी की चाहत में युवक और युवतियां अपने सपनों को उड़ान देने के लिए कई किलोमीटर तक का साइकिल, बस, ऑटो से सफर करके राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से विभिन्न ट्रेडों में आईटीआई करने को प्राथमिकता देते हैं। आईटीआई से पास छात्रों को रेलवे, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी समेत अन्य सरकारी विभागों में आसानी से नौकरी मिल जाती थी। बदलते दौर में आउट सोर्सिंग और सरकारी विभागों में भर्ती न होने की वजह से यहां से पास होने वाले बच्चों के सामने सिर्फ निजी कंपनियां ही सहारा बनती है। नामचीन कंपनियों को छोड़कर बाकी जगहों पर युवाओं का शोषण किया जाता है। बच्चों के मुताबिक ऐसी कंपनियों में हमें सिर्फ मजदूर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। आईटीआई परिसर में दौरान बच्चों ने अपनी पीड़ा बयां की। तमाम बच्चों का कहना है कि घर की माली हालत बहुत अच्छी न होने की वजह से हम लोगों ने तकनीकी शिक्षा लेकर परिवार का संबल बनने का बीड़ा उठाया है। प्रियंका, नेहा, श्रद्धा, अभिनेष मिश्रा, अंकित, अरीबा इरफान सहित कई बच्चों ने एक स्वर में कहा कि बीते कुछ सालों से सरकारी नीतियों से हमारे सपनों पर तुषारापात हो रहे हैं। छात्रों ने आगे कहा कि आईटीआई करने के बाद पहले लोगों को एक दर्जन से अधिक सरकारी विभागों में पक्के रोजगार की व्यवस्था होती थी। अब इनमें से कई विभागों में आउटसोर्सिंग के जरिए भर्ती की जा रही है। आउटसोर्सिंग पर कम मानदेय पर शिक्षित युवाओं को सेवा प्रदाता कंपनियों द्वारा रखा जाता है। ये कंपनियां हम लोगों का जमकर शोषण करती हैं। छात्रों ने कहा कि हम सबको आगे चलकर कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। लोगों को स्वरोजगार व आत्मनिर्भर के लिए युवाओं को कर्ज से दबा दिया जाता है। अभिनेष और नेहा ने कहा कि दूरदराज से आने वाले छात्र–छात्राओं को बस की सुविधा में छूट मिले। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक, फिटर, मैकेनिक, फैशन डिजाइनिंग टर्नर, सहित अन्य ट्रेडों का प्रशिक्षण लेने के बाद रोजगार मेले में दस हजार से पंद्रह हजार रुपये प्रतिमाह करने को मजबूर होते हैं। प्रशिक्षण कर रहे छात्रों ने कहा कि जिले में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित होने चाहिए ताकि युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिल सके। आईटीआई के प्रशिक्षण अधिकारी विजय कुमार ने बताया कि आईटीआई में इस समय 22 ट्रेडों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस सत्र के लिए प्रवेश प्रकिया चल रही है।

स्कूल समायोजन निरस्त नहीं हुआ तो सड़क पर उतर पर होगा विरोध

संवाददाता–श्रावस्ती। शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बैठक की। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नीलमणि शुक्ल ने की। उन्होंने स्कूलों के समायोजन का विरोध किया और सड़क पर उतर कर विरोध करने की चेतावनी दी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश संगठन की ओर से लगातार उच्चाधिकारियों से मिलकर मर्जर का विरोध किया जा रहा है। स्कूलों का समायोजन छात्रों के मौलिक अधिकारों का हनन है। एक ओर जहां स्कूलों में शिक्षकों के 62 प्रतिशत पद रिक्त हैं, जिन पर नियुक्ति नहीं की जा रही है। वहीं स्कूलों का अस्तित्व ही समाप्त किया जा रहा है। बिना शिक्षक या एकल शिक्षक वाले विद्यालय के कारण अभिभावक बच्चे नहीं भेज रहे हैं।

इसके कारण नामांकन घटा है। अपनी कमियों को छुपाने के लिए शिक्षकों को दोषी ठहराना गलत है। संगठन इसका हर मंच पर विरोध कर रहा है और करेगा। नीलमणि शुक्ल ने कहा कि विद्यालयों में साफ सफाई के लिए सफाई कर्मियों की नियमित उपस्थिति स्कूलों में कराई जाए और नवनियुक्त शिक्षकों का वेतन भुगतान कराया जाए। इसके साथ जिन बच्चों का आधार नहीं बना है, उनके नामांकन के लिए अनावश्यक शिक्षकों पर दबाव न बनाया जाए। इससे बच्चों का गलत नामांकन हो सकता है और बाद में ठीक करना आसान नहीं होगा। बैठक के बाद पदाधिकारियों ने बीएसए से मिल कर समाधान की मांग की।

तख्तियां लेकर डीएम कार्यालय पहुंचे शिक्षक स्कूल मर्जर के विरोध में किया प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले जिले के शिक्षकों ने सोमवार को विद्यालय मर्जर के विरोध में प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने स्कूल में शिक्षण कार्य के बाद जिला मुख्यालय पर एकत्र होकर विरोध मार्च निकाला।

शिक्षक नारे लिखी तख्तियां लेकर बीएसए कार्यालय से डीएम कार्यालय तक पहुंचे। महासंघ के जिला संयोजक जयशिव प्रताप चन्द ने बताया कि ज्ञापन में विद्यालय युग्मन से विद्यार्थियों की शिक्षा पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का जिक्र किया गया है। साथ ही गरीब, दलित व ग्रामीण बच्चों की शिक्षा के अधिकार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की रक्षा की मांग की गई है।

जिला सहसंयोजक विवेक मिश्रा ने कहा कि शिक्षक इस मनमाने आदेश को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि युग्मन का आदेश वापस नहीं लिया गया तो महासंघ बड़े स्तर पर आंदोलन करेगा।

कोर कमेटी सदस्य गोविन्द सिंह ने कहा कि विद्यालय सिर्फ भवन नहीं, बल्कि विद्या का मंदिर और ग्राम संस्कृति का केंद्र है। उन्होंने बताया कि यह आदेश त्व्म एक्ट 2009 के नियमों के विपरीत है। इससे विशेषकर ग्रामीण इलाकों में बच्चियां दूरी बढ़ने के कारण शिक्षा से वंचित हो सकती हैं।

कोर कमेटी के सदस्य अशोक तिवारी ने कहा कि युग्मन अप्रैल 2025 की छात्र संख्या के आधार पर किया जा रहा है जबकि वर्तमान में अनेकों विद्यालयों में छात्र संख्या में वृद्धि हुई है, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को युग्मन का आदेश वापस लेते हुए सितम्बर 2025 तक छात्र संख्या बढ़ाने के लिए प्रत्येक विद्यालयों को अवसर दिया जाना चाहिए। आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि युग्मन की नीति ग्रामीण बच्चों के साथ अन्याय है। दूरी बढ़ने से ड्रॉपआउट की समस्या विकराल हो जाएगी। शिक्षा ही नहीं, स्वास्थ्य और पोषण पर भी प्रभाव पड़ेगा।

इस प्रदर्शन कार्यक्रम में अनुदेशक संघ, शिक्षामित्र संघ, महिला शिक्षक संघ सहित कई संगठनों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विज्ञान सिंह, महिला शिक्षक संघ की जिला अध्यक्षा नीलम सिंह, अटेवा के मण्डलीय अध्यक्ष मदन पटेल, अनुदेशक संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक गुप्ता और जय सिंह यादव ने भी संबोधित किया।

घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटकी मिली युवक की लाश

संवाददाता–श्रावस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव कमरे में फांसी के फंदे से लटका पाया गया। शव देख परिजनों की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सिरसिया थाना क्षेत्र के खैरीकला गांव निवासी संतराम (23) पुत्र रक्षाराम रविवार को मोहर्रम का मेला देखने गया था। देर शाम को संतराम घर आया और खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। सोमवार सुबह काफी देर तक वह अपने कमरे से बाहर नहीं निकला। परिजनों ने दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई फिर भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। परिजनों ने किसी तरह से कमरे का दरवाजा खोला तो कमरे में युवक की लाश फांसी के फंदे से लटक रही थी। शव देखते ही परिजन रोने चिल्लाने लगे। कुछ ही देर में घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। इसके पर पंचनामा कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रशासन ने शुरू की चकमार्गों से अवैध कब्जा हटवाने की कवायद

संवाददाता–बलरामपुर। चकमार्गों पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की कवायद प्रशासन ने शुरू की है। सीडीओ ने तीनों तहसीलों से ग्राम पंचायतवार चकमार्गों की सूची मांगी है। ऐसे चकमार्ग जिनपर लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। तहसीलों से सूची मिलने के उपरान्त हल्का लेखपाल व सचिव की संयुक्त टीम बनाकर चकमार्गों को चिन्हित कराया जाएगा। साथ ही उस पर मिट्टी पटाई कराकर लोगों को अपने खेतों के साथ अन्य स्थानों पर आने जाने के लिए रास्ता उपलब्ध कराया जाएगा। चकमार्गों से अवैध कब्जा हटने के बाद एक ओर जहां लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, वहीं भूमि विवाद भी कम होने की संभावना है। जिले में सरकारी जमीनों खलिहान, चकमार्ग व घूर गड्ढा नाली आदि पर गांव के मनबढ़ों ने कब्जा कर रखा है। सरकारी जमीनों से कब्जा हटवाने में ग्राम प्रधान व हल्का लेखपाल को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। बावजूद इसके कब्जा हटा पाना बड़ा मुश्किल हो रहा है। ग्राम पंचायतों में स्थित अधिकांश चकमार्गों पर आस पास के काश्तकारों ने कब्जा कर रखा है। जिले में शायद ही ऐसा गांव हो जहां सरकारी जमीन व चकमार्ग पर अवैध कब्जे की शिकायत न हो। चकमार्गों पर कब्जा होने से गरीब तबके के किसान अपने खेतों तक नहीं पहुंच पाते हैं। आए दिन रास्ते को लेकर विवाद होता रहता है। समाधान दिवसों में आने वाले ममलों में से 70 प्रतिशत शिकायतें चकमार्ग व नाली सहित अन्य भूमि विवाद से सम्बन्धित होते हैं। चकमार्गों पर अवैध कब्जे को हटाने को लेकर ग्राम प्रधान भी कोई खास रुचि नहीं लेते, जिसका मुख्य कारण प्रधान का चुनाव होता है। जिसके चलते चकमार्गों से अवैध कब्जे नहीं हट पा रहे हैं। यही नहीं चकमार्गों के चिन्हित न होने से उन पर मिट्टी पटाई का कार्य भी नहीं हो पाता है। इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए सीडीओ हिमांशु गुप्ता ने कवायद शुरू की है। उन्होंने चकमार्गों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया है। सूची मिलने पर बनाई जाएगी सचिव व हल्का लेखपाल की संयुक्त टीम सीडीओ हिमांशु गुप्ता ने बताया कि तीनों तहसीलों से ग्राम पंचायतवार चकमार्गों की सूची मांगी गई है।

महिला आयोग सदस्य ने की जनसुनवाई

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही ने सोमवार को जिला मुख्यालय के पीडब्ल्यूडी वीवीआईपी सभागार में महिला संबंधित मामलों की सुनवाई की।

जनसुनवाई में कुल 16 प्रकरण सामने आए, जिनमें से 5 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। साइबर अपराध के तीन मामलों को महिला थाने भेजा गया। एक पति–पत्नी विवाद का मामला भी महिला थाने को सौंपा गया। बिजली विभाग से जुड़े चार मामलों को संबंधित विभाग को भेज दिया गया। ऋतु शाही ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने महिलाओं से निर्भीक होकर अपनी बात रखने की अपील की।

भांजी से बनाया शारीरिक संबंध, दूसरों को भी भेजता था कमरे में, मामा की शर्मनाक करतूत पर मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। जिले से शर्मनाक खबर सामने आई है। यहां रिश्ते में लगने वाली भांजी के साथ मामा ने बेंगलुरु में शारीरिक संबंध बनाया। यहीं नहीं वह दूसरों को भी लड़की के कमरे में भेजता था। जब भांजी गर्भवती हो गई तब बात फैल गई। घर पहुंचने पर मां–बाप ने सहजनवा थाने में शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज कर मेडिकल कराया और युवती का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया।

पुलिस ने मामा के साथ अन्य कई आरोपितों को मुल्जिम बनाया है। हालांकि घटनास्थल बेंगलुरु होने के साथ सभी की बेंगलुरु में मौजूदगी के बाद सहजनवा पुलिस केस ट्रांसफर करने में जुटी है। हालांकि पीड़ित पक्ष गोरखपुर में ही केस लड़ना चाहता है।

सहजनवा इलाके के एक गांव की युवती की शादी के बहाने उसकी मामी की बहन बेंगलुरु ले गई। वहां मामा–मामी और अन्य लोग रहते हैं। पीड़ित युवती का आरोप है कि मामा ने आते–जाते उसके साथ संबंध बना लिया और शारीरिक शोषण करता रहा। यही नहीं युवती का आरोप है कि अन्य लोगों को भी वह कमरे पर भेजता था। जब वह वहां से किसी तरह घर आई तब उसके प्रेग्नेंट होने की जानकारी हुई। परिवारिजन की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

घटनास्थल न सिर्फ बेंगलुरु में है बल्कि आरोपित भी वहीं हैं। इस पर पुलिस ने केस ट्रांसफर करने में जुट गई। इस बीच परिवारीजनों को पता चला तो वह विरोध करने लगे। एसपी नार्थ जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि केस ट्रांसफर नहीं हो। आरोपितों को पुलिस गिरफ्तार कर लाएगी।

कांग्रेस के नवनिर्वाचित 45 जिला पदाधिकारियों ने लिया शपथ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बस्ती के पूर्व विधायक अंबिका सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वंदे मातरम से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि अंबिका सिंह ने 45 जिला पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि यह शपथ ग्रहण महज औपचारिकता नहीं है। यह जनता के प्रति जिम्मेदारी का संकल्प है। जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद और पूर्व सांसद मोहम्मद मोकीम ने भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। पूर्व प्रदेश महासचिव अरशद खुर्शीद और कोआर्डिनेटर राम अवध पासी ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की बात कही। कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश सचिव डॉ. नादिर सलाम, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी किरण शुक्ला, देवेन्द्र कुमार गुड्डू, अल्पसंख्यक प्रदेश उपाध्यक्ष असलम खुर्शीद और युवा कांग्रेस अध्यक्ष पंकज चतुर्वेदी ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, प्रवक्ता, सचिव समेत विभिन्न पदों के नवनियुक्त पदाधिकारी और ब्लॉक अध्यक्ष मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1232777300 वास्तव में खो गया है। प्रार्थी ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आई. टी.आई. में प्रवेश के लिये आवेदन किया है। कृपया मेरा नाम लिखवाने के साथ ही अंक पत्र उपलब्ध कराकर सहयोग किया जायेगा।

(अभिषेक गिरि)
पुत्र श्री बृजकिशोर गिरि
ग्राम– ओराई पोस्ट– समसपुर
जनपद– बस्ती।

राम मंदिर में होगा ध्वजारोहण समारोह, पीएम मोदी सहित हजारों विशेष मेहमान होंगे शामिल

संवाददाता–अयोध्या। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्व भर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा।

ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश–विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। अयोध्या में मेहमानों की आगवानी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट और प्रशासनिक तंत्र ने कमरे बुक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख होटल, धर्मशालाएं और गेस्ट हाउसों में आवास की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक–चौबंद किया जा रहा है। नवंबर में समारोह के लिए शुभ मुहूर्त भी ज्योतिषियों से निकलवाया जा रहा है। 16 नवंबर व 25 नवंबर दो शुभ तिथियों में से किसी एक तिथि के चयन पर विमर्श हो रहा है। राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर रामध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के अन्य सभी मंदिरों के शिखर पर ध्वज फहराया जाएगा। रामध्वज का आरोहण केवल एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की विजय और धर्म की प्रतिष्ठा का उद्घोष होगा। यह आयोजन मंदिर निर्माण की पूर्णता की ओर बढ़ते कदम का संकेत भी माना जा रहा है। ध्वज पताका को वैदिक मंत्रोच्चार, संगीत, और विशेष पूजा विधियों के साथ मंदिर के शिखर पर फहराया जाएगा। कार्यक्रम में विविध प्रकार के अनुष्ठान भी होंगे। रामकथा का भी आयोजन संभव है। इस अवसर पर देश के कई प्रसिद्ध संगीतज्ञ व कलाकार प्रस्तुतियां देंगे, जिससे समारोह की भव्यता बढ़ेगी।

रेलवे में आठ जुलाई से नया नियम लागू

संवाददाता–गोरखपुर। ट्रेनों का आरक्षण चार्ट आठ जुलाई से चार घंटे की जगह आठ घंटे पहले बनने लगेगा। सुबह पांच से दोपहर दो बजे की ट्रेनों का आरक्षण चार्ट एक दिन पहले नौ बजे तक बन जाएगा। रेल प्रशासन ने इसकी तैयारी कर ली है।

रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर पैसेंजर मार्केटिंग एंड कोआर्डिनेशन प्रवीण कुमार का निर्देश मिलने के बाद रेल प्रशासन ने अपनी तैयारी कर ली है। नए नियम के अनुसार, जो ट्रेनें सुबह 5 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच चलेंगी, उनके लिए पहला आरक्षण चार्ट एक दिन पहले रात 9 बजे तक तैयार कर लिया जाएगा। साथ ही जो ट्रेनें दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच चलेंगी, उनका आरक्षण चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे के बाद बनेगा। अगली सुबह 5 बजे से पहले चलेंगी, उनके लिए आरक्षण चार्ट ट्रेन खुलने से आठ घंटे पहले बन जाएगा। शेड्यूल के मुताबिक, रात आठ से 12 बजे की ट्रेनों का कोटा सुबह नौ बजे तक, रात 12 से सुबह 10 बजे तक की ट्रेनों का कोटा एक दिन पहले दोपहर 12 बजे तक, सुबह 10 से रात आठ बजे तक की ट्रेनों का वीआईपी कोटा के तहत सीट आवंटन यात्रा तिथि से एक दिन पहले अपराह्न तीन बजे तक होगा। इस हिसाब से गोरखधाम, वैशाली और कुशीनगर एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों का वीआईपी कोटा एक दिन पहले ही आवंटित कर दिया जाएगा।

पंखुड़ी का स्कूल में हो गया दाखिला, फीस माफ होने के साथ शुरू हो गई पढ़ाई, बोली– थैंक्यू महाराज जी

संवाददाता–गोरखपुर। आर्थिक दिक्कतों से फीस न जमा कर पाने के चलते स्कूल जाने से वंचित महानगर के पुरदिलपुर निवासी पंखुड़ी त्रिपाठी की पढ़ाई सोमवार से निर्बाध शुरू हो गई। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री द्वारा पंखुड़ी की परेशानी का संज्ञान लिए जाने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग ने स्कूल प्रबंधन से संपर्क कर पंखुड़ी की फीस माफ करवा दी। फीस माफ होने के साथ कक्षा सात में पढ़ने वाली इस बिटिया ने सोमवार को स्कूल जाकर क्लास अटेंड करना शुरू कर दिया है। पढ़ाई शुरू होने पर पंखुड़ी और उसके माता–पिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति बारंबार आभार जताया है। 1 जुलाई को गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

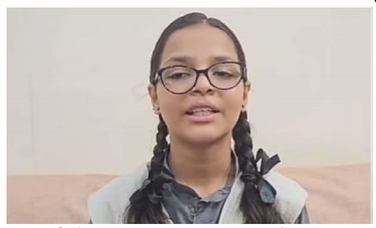

जनता दर्शन में पंखुड़ी त्रिपाठी भी पहुंची थी। पंखुड़ी सरस्वती शिशु मंदिर (इंग्लिश मीडियम) पक्की बाग में कक्षा सात में पढ़ती है। जनता दर्शन में उसने मुख्यमंत्री से कहा था, श्महाराज जी, मैं पढ़ना चाहती हूं, फीस माफ करवा दीजिए या फीस का इंतजाम करा दीजिए। उसने बताया था कि पिता राजीव त्रिपाठी को चोट लगने के बाद परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया है।

मां मीनाक्षी एक शॉप पर नौकरी कर रही हैं। उसके अलावा कक्षा 12 में पढ़ने वाला भाई भी है। पंखुड़ी ने बताया कि फीस न जमा कर पाने के कारण वह कक्षा सात में पढ़ाई करने नहीं जा पा रही है। उसकी समस्या सुनने के बाद सीएम योगी ने उसे भरोसा दिया था कि उसकी पढ़ाई नहीं रुकने पाएगी। वह खूब पढ़े, फीस माफ कराया जाएगा या फीस का इंतजाम कर दिया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने अफसरों को निर्देशित भी किया था और पंखुड़ी की ख्वाहिश पर उसके साथ फोटो भी खिंचवाई थी।

मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में आए इस प्रकरण के संदर्भित होने के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग ने सरस्वती शिशु मंदिर पक्की बाग के प्रबंधन से संपर्क किया और पंखुड़ी त्रिपाठी की फीस माफ करवाई। साथ ही पंखुड़ी को बताया कि वह सोमवार से स्कूल जाए। पंखुड़ी आज स्कूल यूनिफॉर्म पहने स्कूल पहुंची और कक्षा सात वर्ग बी में उसकी पढ़ाई शुरू हो गई।

पढ़ाई निर्बाध शुरू होने पर पंखुड़ी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा–थैंक्यू महाराज जी। उसने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री जी बहुत अच्छे हैं। उनकी मदद से ही उसकी पढ़ाई शुरू हो पाई है। पंखुड़ी के पिता राजीव त्रिपाठी और माता मीनाक्षी ने भी मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें महाराज जी पर पूरा भरोसा है और उनकी सहृदयता और संवेदनापूर्ण कार्यशैली से ही बिटिया की पढ़ाई संभव हुई है।

किशोर की हत्या के आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पथरा बाजार थाना क्षेत्र में हुई एक किशोर की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर की गई कार्रवाई में पथरा बाजार पुलिस ने कपिया बुजुर्ग गांव से अभिषेक और आशुतोष को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी महेंद्र मणि के पुत्र हैं। घटना रविवार को कपिया बुजुर्ग गांव में हुई थी। पानी के लिए बिछाए गए पाइप पर बाइक चढ़ाने को लेकर विवाद हुआ था। इस विवाद में आरोपियों ने 17 वर्षीय किशोर पर फावड़े से हमला कर दिया। किशोर की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने मामले में मु.अ.सं. 052/2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई की। गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पांडेय के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल सोनी यादव, कांस्टेबल पप्पू यादव, मंजीत यादव और राहुल गुप्ता की टीम शामिल रही। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2022
धारा 24 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती
मनोज कुमार
बनाम
बुधना आदि

1. बुधना पत्नी राम प्रसाद साकिन भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. अधिशाषी अधिकारी जरिये नगर पंचायत भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
3. विपिन बिहारी सिंह पुत्र नरसिंह 4. रत्नसेन सिंह पुत्र नरसिंह 5. कैलाश बिहारी सिंह पुत्र नरसिंह 6. सावित्री देवी पत्नी नरसिंह 7. उपेन्द्र नरायन सिंह 8. धीरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण रघुनाथ सिंह 9. सुनरा देवी पत्नी रघुनाथ सिंह 10. हरिनरायन उर्फ हरखनरायन पुत्र शिवशंकर सिंह 11. ध्रुवराज सिंह पुत्र उदयराज सिंह 12. परमेश्वर कुमार सिंह उर्फ रमेश पुत्र त्रिभवन सिंह 13. विष्णु प्रताप सिंह पुत्र रामउग्रह सिंह 14. लाल प्रताप सिंह पुत्र रामउग्रह सिंह 15. विक्रमाजीत सिंह पुत्र त्रिलोकी सिंह 16. राजबहादुर सिंह पुत्र त्रिलोकी सिंह 17. बलवन्त सिंह पुत्र हरण सिंह 18. सतीश सिंह पुत्र त्रिलोकी सिंह निवासीगण मौजा भानपुर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण चतुर्थ वर्ग

तारीख पेशी 11–07–2025

वाजेह हो कि जर्नादन ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–202/2024
धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर कलेक्टर महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती संजना देवी
बनाम
अजय कुमार आदि

1. अजय कुमार 2. विजय कुमार 3. आनन्द प्रकाश पुत्र सतीश चन्द्र 4. श्रीमती किसलता पत्नी सतीश चन्द्र 5. आनन्द प्रकाश दत्तक पुत्र आत्मा प्रसाद 6. महेश कुमार पुत्र राममूरति लाल 7. गौरव भारत पुत्र ओम प्रकाश 8. श्रीमती शकुन्तला पत्नी ओम प्रकाश साकिनान मौजा बरहपेड़ा मुसहा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 9. राम आसरे पुत्र सोमई साकिन कटयानौडीहा 10. श्रीमती माया देवी पत्नी सघई उर्फ कन्हैयालाल 11. श्रीमती यशोदा देवी पत्नी छोकऊ 12. रमेसर पुत्र सोमई साकिन बेलवरिया जंगल 13. श्रीमती श्यामदेइ पत्नी रामआसरे 14. रामरती 15. कलावती पत्नी नेबूलाल 16. कासिम पुत्र वली मोहम्मद 17. हासिम अली 18. इद्रीश पुत्रगण वली मोहम्मद 19. इन्द्राज सिंह पुत्र रामउजागिर सिंह 20. वन्दना पत्नी आनन्द प्रकाश साकिन कटया नौडीहा तप्पा गौर 21. उत्कर्ष पुत्र गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव 22 सिद्धान्त श्रीवास्तव पुत्र गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव 23. ध्रुव कुमार पुत्र परमात्मा प्रसाद साकिन बरहपेड़ा मुसहा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 24. श्रीमती दशरथा देवी पत्नी दयाराम साकिन कटयानौडीहा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–07–2025

वाजेह हो कि जर्नादन ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान तहसीलदार महोदय रूधौली जिला–बस्ती
दुखरन
बनाम
गयादीन आदि

1. अरविन्द पुत्र रामदीन 2. सुधा पत्नी रामदीन 3. कुमकुम नावालिग पुत्री रामदीन संरक्षिका सुधा माता स्वयं 4. अनिल नावालिग पुत्र रामदीन संरक्षिका सुधा माता स्वयं 5. ज्ञानदास पुत्र दुखरन 6. रामतेज पुत्र दुखरन 7. सूरज कुमार चौधरी पुत्र राजेन्द्र चौधरी निवासीगण मौजा अरदा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–07–2025

वाजेह हो कि जर्नादन ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 02 माह 07 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

नोटिस बनाम मुदाअलेह नाबालिग और बलीक
(आर्डर 32, कायदा 3)
प्रकीर्णवाद सं0–354/2022
अदालत–श्रीमान श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
राजनरायन पाण्डेय
बनाम
दीनदयाल मिश्रा

1/1 अखण्ड 1/2 अमय अवस्यक पुत्रगण स्व0 दीनदयाल द्वारा संरक्षिका श्रीमती उर्मिला प्रतिवादी सं02 माता स्वयं 1/3 कु0 गोराशी वस्यक पुत्री स्व0 दीनदयाल द्वारा संरक्षिका श्रीमती उर्मिला प्रतिवादी सं0 2 माता स्वयं निवासीगण ग्राम बैरहना तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–07–2025

बली कुदरती (मुदाअलेह नाबालिग) हरगाह मुकदमा मुन्दर्गा उनवान में मुदई ने एक दरख्वास्त गुजरानी है कि मुदाअलेह नाबालिग का एक बली दौरान मुकदमा मुकर्रर किया जाय लिहाजा आप नाबालिग मजकूर को और आप 18–07–2025 बली की इबसे रू0 सी इत्तिला दी जाती है कि अगर तामील इत्तिलानामा हाजा से योम के अन्दर एक दरख्वास्त इस अदालत में निस्बत या किसी दोस्त मुदाअलेह नाबालिग के बली के दौरान मुकर्रर किये जाने की निबत न गुजराये तो अदालत अगराज मुकदमा हाजा के लिए किसी और शख्श को नाबालिग मजकूर का बली मुकर्रर कर देगी।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–245/2018
मन्टू
बनाम
भानमती आदि

1. भानमती पत्नी मनीराम 2. मन्टू पुत्र मंगरू निवासीगण हथिया तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–270/2019
श्रीमती विन्दुमती
बनाम
अली अहमद आदि

1. अली अहमद 2. अली अकबर 3. अली मोहम्मद 4. इसरार अहमद पुत्रगण तवक्कल हुसेन साकिनान मौजा सुखपुरा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
5. ताहिर पुत्र मनौवर अली 6. रामलौट पुत्र रामअक्षैबर साकिनान मौजा सुखपुरा तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 02–08–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 55/2024
न्यायालय– श्रीमान द्वितीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला– सिद्धार्थनगर
नवीबुल्लाह
बनाम
मुनीर आदि

1. मुनीर पुत्र लजीम 2. शकीला बानो पत्नी लजीम साकिन रमवापुर मिश्र तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 11–08–2025

वादी हनीफ ने आपके विरूद्ध आज्ञापक आदेश बटवारा के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 11–08–2025 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 150/2025
नसरीन बेगम–सायला

1. नसरीन बेगम उम्र लगभग 48 साल पत्नी स्व0 मोहम्मद अकरम ग्राम बल्लीपट्टी पोस्ट महुली पश्चिम सोनूपार थाना कोतवाली जिला बस्ती हाल मुकाम मोहल्ला मुरलीजोत थाना कोलवाली जिला–बस्ती वर्तमान हाल मुकाम मोहल्ला वसीरगंज थाना कोतवाली नगर जिला बहराइच

तारीख पेशी 07–08–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 07–08–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के किसी का उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com